2. रस, वीर्य एवं विषाक का वर्णन कीजिए एवं रसों का दोषों पर प्रभाव स्पष्ट कीजिए।

3. आयुर्वेदीय स्वस्थवृत्त से क्या तात्पर्य है ? इसको समझाते हुए ऋतुचर्या का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4 x 5=20)

1. सद्वृत्त का वर्णन कीजिए।

2. मानसिक एवं चारित्रिक सद्वृत्त के बारे में बताइए।

3. उपवास के महत्व को प्रकाशित कीजिए।

4. देश, काल एवं औषध पर एक टिप्पणी लिखिए।

5. ऋतुओं के अनुसार दोषों का संचय, प्रकोप एवं प्रशमन स्पष्ट कीजिए।

6. अंजन कर्म, नस्य एवं गंण्डूष को स्पष्ट कीजिए।

CHBC-101

आयुर्वेद एवं सौन्दर्य वर्णन

Certificate in Herbal Beauty Care

(CHBC-16/17)

Examination-2019

Time : 3 Hours **Max. Marks : 40**

नोट : यह प्रश्नपत्र चालीस (40) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में तीन (03) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×10=20)

1. वातपित्त, कफ के भेदों का वर्णन करते हुए उनके संचय, प्रकोप एवं प्रशमन पर चर्चा कीजिए।